हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शनिवार, 20 अप्रैल 2024

11 युवाओं व बुजुर्गों ने सेल्फी प्वाइंट पर फोटो...

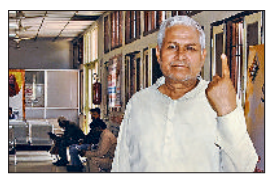

12 वाद-विवाद, क्विज और भाषण प्रतियोगिता ...

खबर संक्षेप

कल होगी जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता

बवानीखेड़ा। रविवार को भैंणी कुंगड़ विद्यालय में लड़के व लड़कियों की जूनियर व सीनियर कबड्डी चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। कर्ण ओड व विकास चहल ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला प्रधान विरेन्द्र सिंह करेंगे, जिसमें खिलाड़ियों में अपने दो-दो फोटो, आधार कार्ड सहित जन्म प्रमाण पत्र का लाना अनिवार्य है।

गांव सोहांसरा में 25 क्विंटल सरसों चोरी

लोहारू। गांव सोहांसरा में किसान के घर पर रखी हुई करीब 25 क्विंटल सरसों चोरी हो गई। पुलिस को दी शिकायत में ललित कुमार ने बताया कि वह गुड़गांव जिले का रहने वाला है तथा सोहांसरा में जमीन ले रखी है। उक्त जमीन पर सरसों की खेती की हुई थी तथा सरसों की फसल निकालने के बाद उसे वहां बने मकान में रख दी थी। सरसों की रखवाली की जिम्मेदारी ओमप्रकाश को सौंपी थी। बाद में फोन पर ओमप्रकाश ने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात व्यक्ति द्वारा वह 25 क्विंटल सरसों चोरी होने सूचना दी। पुलिस ने किसान की शिकायत पर मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

भिवानी। मुन्नी को हरियाणा गौरव सम्मान से सम्मानित करते अतिथि।

मुन्नी को हरियाणा गौरव सम्मान से किया सम्मानित

भिवानी। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती पर सवार्देशिक आर्य सुवक परिषद स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठी टिटौली में सम्मान समारोह का आयोजन किया। समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी आर्यवेश व राष्ट्रीय महासचिव स्वामी आदित्यवेश ने राजकीय कन्या वमा विद्यालय देवसर की वाणिज्य प्राध्यापिका मुन्नी धारीवाल को हरियाणा गौरव सम्मान से सम्मानित किया। प्राध्यापिका मुन्नी की उपलब्धि पर स्कूल प्राचार्या मंजू गिरधर, कुसुम श्योराण, पीजीटी विनोद सांगवान, अमिता शर्मा, कृष्ण, मंजु रानी, निधि शर्मा, पिंकी शर्मा, परिजन बलबीर धारीवाल, संदीप धारीवाल व संतोष धारीवाल आदि ने शुभकामनाएं दी।

ग्रांट पाने वाला जिले का इकलौता महाविद्यालय

बीएलजेएस कॉलेज को मिली पांच करोड़ की ग्रांट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

पीएम-यूएसएचए (प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान) के तहत तोशाम के बनवारी लाल जिंदल सूईवाला महाविद्यालय को 5 करोड़ रुपए की बड़ी ग्रांट मिली है। जिससे महाविद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है और महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. राकेश भारद्वाज ने ग्रामीण क्षेत्र के महाविद्यालय को सरकार द्वारा इतनी बड़ी ग्रांट मिलना महाविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि है। डॉ. भारद्वाज का कहना था कि महाविद्यालय में विद्यार्थियों को दी जाने वाली शिक्षा के स्तर सहित अन्य कार्यशैली को देखते हुए केंद्र सरकार ने महाविद्यालय को नायाब तोहफा दिया है, जिससे आगामी समय में महाविद्यालय और भी नई ऊंचाइयों को छूएंगा। देश के समस्त सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त महाविद्यालयों से प्रस्ताव मांगे गए थे। प्रदेश के 162 सरकारी एवं 97 सरकारी सहायता प्राप्त महाविद्यालयों ने अपने प्रस्ताव भेजे थे। केंद्र सरकार द्वारा 10 महाविद्यालय पीएम-ऊषा के तहत ग्रांट के लिए चयनित हुआ।

कॉलेज को मिला पत्र

केंद्र सरकार द्वारा 10 महाविद्यालय पीएम-ऊषा के तहत ग्रांट के लिए चयनित हुआ। जिनमें से तोशाम का बनवारीलाल जिंदल सूईवाला महाविद्यालय को विभिन्न विकास योजनाओं एवं आधुनिक शिक्षा सुविधाओं/ कोर्सों के लिये पांच करोड़ रुपये की ग्रांट मंजूर हुई है। शुक्रवार को इस संदर्भ का पत्र महाविद्यालय को उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा से प्राप्त हुआ। यह सूचना मिलते ही महाविद्यालय परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जताई। काबिले गौर होगा कि प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत यह ग्रांट प्राप्त करने वाला तोशाम का बीएलजेएस महाविद्यालय हरियाणा के 4 ग्रांट इन ऐड कॉलेजों में से एक है तथा भिवानी जिले का इकलौता कॉलेज है।

■ ग्रांट के लिए 259 महाविद्यालय ने भेजे थे प्रस्ताव

■ बीएलजेएस सहित प्रदेश में 4 कॉलेज को मिली ये ग्रांट

भिवानी। बीएलजेएस कॉलेज का भवन। फोटो : हरिभूमि

होगा चहुंमुखी विकास

महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष एवं संस्थापक ट्रस्टी एसके जिन्दल, एडवोकेट देवेन्द्र देव शर्मा व प्राचार्य डॉ. राकेश भारद्वाज ने स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों को उपलब्धि यानी 5 करोड़ की ग्रांट प्राप्त होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने शुक्रवार को महाविद्यालय सभागार में कार्यक्रम में सभी स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थियों को शुभ सूचना दी और कहा कि महत्वपूर्ण ग्रांट मिलना न केवल हर्ष का विषय है, बल्कि ये नई जिम्मेदारी है। इस ग्रांट के तहत अलग अलग परियोजनाओं पर सरकार की देखरेख में प्रस्तावित एवं मंजूर किये गए विकास कार्य होंगे और महाविद्यालय का चहुंमुखी विकास होगा।

केबल टीवी पर विज्ञापन चलाने से पहले लेनी होगी अनुमति : डीसी

चरखी दादरी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त मनदीप कौर ने कहा है कि लोकसभा चुनाव के दौरान कोई भी राजनीतिक दल अथवा उम्मीदवार सीधे केबल टीवी पर विज्ञापन नहीं दे सकता है। केबल पर विज्ञापन देने से पहले उसे इस कार्य के लिए जिला में गठित समिति से विज्ञापन स्वीकृत करवाना होगा। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा केबल टीवी, टीवी चैनल तथा एफएम रेडियो पर राजनैतिक पार्टियों, उम्मीदवारों और व्यक्तियों द्वारा दिए जाने वाले विज्ञापनों के प्रसारण के लिए नियम बनाए गए हैं। उपायुक्त ने बताया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी 13 अप्रैल 2024 को दिए गए अपने फैसले में कहा है कि राजनैतिक दल अथवा उम्मीदवार द्वारा जो विज्ञापन प्रसारित किया जाना है वह इस कार्य के लिए प्रदेश अथवा जिला स्तर पर गठित कमेटी के पास प्रसारण की तिथि से कम से कम तीन दिन पहले आवेदन करें। यह कमेटी उस विज्ञापन की जांच करेगी कि उसमें कोई आपत्तिजनक सामग्री तो नहीं है। जांच के बाद कमेटी उस विज्ञापन के भाग को काटने या उसमें बदलाव करने की हिदायत दे सकती है।

बाढ़ड़ा में किसानों ने करीब पौने दो घंटे लगाया जाम, एसडीएम ने खुलवाया

बाढ़ड़ा बस स्टैंड के गेट पर जड़ा ताला, बसों की एंट्री पूरी तरह बंद, यात्री परेशान

भिवानी। रोष जताते किसानों को समझाते पुलिसकर्मी, बहस करते रोडवेज चालक-परिचालक और किसान तथा मंडी गेट पर ताला लगाते किसान। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

बाढ़ड़ा अनाजमंडी में सरसों का उठान न होने व खरीद के लिए सरसों पड़ी होने के चलते मंडी में जगह नहीं हैं, जिसके चलते प्रशासन द्वारा बाढ़ड़ा बस स्टैंड परिसर में गेहूं उतरवाया जा रहा है। हजारों क्विंटल गेहूं पड़ा होने के कारण बस स्टैंड पसिर जगह नहीं बची है कि बस स्टैंड में यात्री बैठकर बसों का इंतजार कर सके और बस स्टैंड परिसर में बसों का आवागमन हो सके, जिसके चलते खरीद एजेंसी ने बस स्टैंड के गेट पर ताला जड़ दिया है, जिससे यात्री परेशान हैं। वहीं करीब साढ़े बारह बजे किसान गेहूं लेकर पहुंचे तो ताला बंद मिला, जिस पर वे भड़क गए और सड़क के बीच गेहूं से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली खड़ी कर जाम लगा दिया और उनकी एसडीएम के कहने पर ट्रॉली खाली करवा दी। इसके बाद अन्य किसान गेहूं से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर पहुंचे और गेहूं डालने की बात कही और नहीं डालने देने पर उन्होंने करीब साढ़े चार बजे सड़क पर जाम लगा दिया, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर किसानों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे ट्रॉली खाली करने के बाद ही जाम खोलने की बात पर अड़ गए। गेहूं लेकर पहुंचे किसानों का सरकार व प्रशासन के खिलाफ रोष जताया। बाद में भाकियू के जिलाध्यक्ष हरपाल भांडवा मौके पर पहुंचे और किसानों व खरीद एजेंसी प्रतिनिधियों से बात की। उन्होंने बाढ़ड़ा एसडीएम सुरेश दलाल से फोन के माध्यम से बात की, जिसके बाद एसडीएम पहुंचे और किसानों के ट्रैक्टर खाली कर जाम खुलवाया। जाम करीब डेढ घंटे बाद छह बजे जाम खुला, जिसके बाद वाहन चालकों ने राहत की सांस ली। शुक्रवार को बस स्टैंड के गेट पर तालाबंदी होने पर बसों का आवागमन पूर्णरुप से बंद हो गया हैं और यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। बस स्टैंड परिसर में बैठने के लिए लगाई कुर्सियों व टिकट बूथ गेहूं से अट चुके हैं। बस स्टैंड में बसों का आवागमन बंद होने से यात्रियों के बैठने, पेयजल व शौच आदि की समस्याएं बढ़ गई हैं। शुक्रवार को बस स्टैंड गेट पर ताला जड़ने से बसों का आवागमन पूरी तरह से ठप हैं। जुई-सतनाली की ओर जाने वाली बसें बस स्टैंड के आगे से गुजर रही, जबकि लोहारू, दादरी आदि रूटों की बसें बस स्टैंड के बाहर तक भी नहीं आ रही और मुख्य क्रांतिकारी चौक से सीधे अपने गंतव्य पर जा रही हैं, जिससे यात्री सड़क किनारे खड़े होकर बसों का इंतजार कर रहे, जिससे उन्हें गर्मी के मौसम में काफी परेशानी उठानी पड़ रही हैं।

सरकार व प्रशासन जानबूझकर कर रहे परेशानः पुलिस टीम ने किसानों से कहा कि समस्या का समाधान रोड जाम करने से नहीं, बल्कि अधिकारियों से मिलकर होगा, जिसके बाद किसान एसडीएम से मिलने उनके कार्यालय में पहुंचे। किसान महेंद्र सिंह व सतीश आदि ने बताया कि सुबह के समय ट्रैक्टर खाली करवाए गए हैं, उन्हें देखकर वे भी अपनी गेहूं की फसल लेकर पहुंचे थे, लेकिन बस स्टैंड गेट पर ताले लगा दिए गए।

ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़े कर जताया रोष

गेहूं से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर पहुंचे किसानों के ट्रैक्टर खाली नहीं करवाने पर किसानों में रोष देखने को मिला। किसानों ने बाढ़ड़ा बस स्टैंड के सामने बीच सड़क पर ट्रैक्टर खड़े कर रोष जताया। जिससे दोनों ओर वाहनों की लाइनें लगी गई। इस दौरान कुछ वाहन चालकों व रोष जता रहे किसानों के बीच कहासुनी देखने को मिली, जिसके बाद सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और किसानों को समझाया कि मंडियों में खरीद बंद की गई है।

उठान के चलते नौ मंडियों में 20 को नहीं कटेंगे नए गेट पास : उपायुक्त

■ तोशाम, लोहारू, ढिगावा, बहल, जुई, सिवानी, भिवानी, बवानीखेड़ा व चांग में 20 व 21 अप्रैल को नहीं होगी खरीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जिले की मंडियों में दो दिन मौसम पुवार्नुमान खराब होने की संभावना के चलते और सरसों की बंपर आवक के चलते तोशाम, लोहारू, ढिगावा, बहल, जुई, सिवानी, अनाजमंडी भिवानी, बवानीखेड़ा व चांग में 20 व 21 अप्रैल को सरसों खरीद नहीं होगी। डीसी नरेश नरवाल ने बताया कि जिले में सरसों की खरीद का कार्य पुरजोर से चल रहा है। खरीद के साथ-साथ उठान कार्य भी सुचारू ढंग होना जरूरी है, ताकि समय पर किसानों को उनकी सरसों की पेमेंट की अदायगी हो सकें। उन्होंने बताया कि मौसम विभाग द्वारा मौसम पूर्वानुमान में बताया गया कि आगामी दो दिन तक मौसम के खराब रहने की संभावना जताई है तथा मंडियों में पहले ही सरसों की आवक बहुत अधिक हो गई है और उठान बहुत कम, इसलिए उठान के लिए समय चाहिए, इसी के चलते जिले की मंडी तोशाम, लोहारू, ढिगावा, बहल, जुई, सिवानी, अनाजमडी भिवानी, बवानीखेड़ा व चांग में 20 अप्रैल को गेट पास नहीं काटे जाएंगे तथा 20 व 21 अप्रैल को सरसों खरीद नहीं होगी। उन्होंने बताया कि इस बारे में खरीद व उठान एजेंसी के अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे दिए हैं। उन्होंने बताया कि सरसों के उठान कार्य में तेजी लाने के लिए संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए जा चुके हैं।

भिवानी। हाई वोल्टेज लाइन के तार से जलकर राख हुई फसल दिखाते किसान।

हाई वोल्टेज लाइन का तार टूटने से दो एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल जली

- किसान के अरमानों पर फिरा पानी, प्रशासन से मुआवजा देने की उठाई मांग
- आस-पड़ोस के किसानों ने प्रयास कर कड़ी मशक्कत के साथ समय रहते काबू पा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

गांव ईशरवाल में हाईवोल्टेज लाइन का तार टूटकर गिरने से एक किसान की 2 एकड. में खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। इस दौरान आस-पड़ोस के किसानों ने प्रयास कर कड़ी मशक्कत के साथ समय रहते आग पर काबू पा लिया वरना आग साथ लगते खेतों तक पहुँच जाती तो और अधिक नुकसान हो सकता था। गांव ईशरवाल निवासी किसान परमानन्द ने बताया कि उसने अपने खेत में 2 एकड में गेंहूँ की फसल बोई हुई थी, जो अब पककर तैयार हो चुकी थी। उसके खेत से बिजली की हाईवोल्टेज लाईन गुजरती है। शुक्रवार दोपहर को अचानक फाल्ट होने की वजह से लाईन का तार टूटकर गेंहूँ की फसल में गिर गया और फसल में आग लग गई। देखते ही देखते दो एकड में खडी. फसल पूरी तरह जलकर राख हो गई। पीड़ित किसान परमानंद नागल ने बताया कि वो एक छोटा किसान है और खेती-बाड़ी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। परंतु फसल जल जाने से उसके लिए घर चलाने अर्थात बच्चों के पालन-पोषण करने का गम्भीर संकट आ खडा हुआ है। पीड़ित किसान परमानंद, गाँव के सरपंच उमेदसिहं, बीडीसी प्रतिनिधि मुकेश, प्रदीप बंसल, ईशवर सिंह, बलवान, रणवीर सिंह, बलबीर, कुलदीप नागल, अमरजीत आदि ने प्रशासन से पीड़ित किसान के नुकसान का जायजा लेकर उचित मुआवजा देने की मांग की है।

बिजली लाइन का तार टूटा, गेहूं की कटी फसल जली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

शुक्रवार दिन में करीब 3 बजे हाई वोल्टेज बिजली लाइन का तार टूटने से 2.5 एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। आग से किसानों को हजारों रुपयों का नुकसान हुआ है।

पीड़ित किसानों में सरकार से नुकसान की भरपाई के मुआवजे की मांग की है। गांव सांजरवास निवासी किसान हरपाल, जितेंद्र व तेजपाल ने गेहूं की बिजाई की थी। किसानों ने गेहूं की कटाई कर दी थी। कटाई के बाद गेहूं की फसल

खेत में पड़ी थी। खेतों के उपर से 11 हजार वोल्टेज की बिजली लाइन जाती है। शुक्रवार को दिन में करीब 3 बजे बिजली का तार टूटकर खेतों में गिर गया। तार गिरते ही उठी जिंगरी से गेहूं की फसल में आग लग गई। कुछ ही देर में आग पूरे खेत में फैल गई। पड़ोस में काम कर रहे किसानों ने अपने स्तर पर आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन वह तेजी से दूसरे खेतों को तरफ बढ़ गई। किसानों ने आग की सूचना दमकल विभाग की दी। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने जब तक आग पर काबू पाया तब तक ढाई एकड़ की कटी गेहूं की फसल राख हो गई। पीड़ित किसानों ने बताया की बिजली निगम अधिकारियों की लापरवाही के कारण हादसा हुआ है।

दुल्हेड़ी की युवती से दिनोद के व्यक्ति ने नौकरी लगवाने के नाम पर 12 लाख रुपये हड़पे

तोशाम। दुल्हेड़ी गांव की युवती को दिल्ली पुलिस में नौकरी लगवाने के नाम पर दिनोद निवासी व्यक्ति ने 12 लाख रुपये हड़पने के मामले में पुलिस ने मामला दर्ज किया है। दुल्हेड़ी निवासी पूजा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बीए पास है और जुलाई 2022 में दिनोद निवासी सतपाल से उसकी मुलाकात हुई और अपने आप को सतपाल ने हरियाणा पुलिस में एसएचओ बताया। पूजा ने बताया कि आरोपित सतपाल ने उसे दिल्ली पुलिस में सिपाही पद पर नौकरी लगवाने के लिए कहा और बताया कि इस कार्य के 12 लाख रुपये लगेंगे। उसने गुगल पे, फोन पे, पेटीम व बैंक के माध्यम से 7,21500 रुपये उसने व उसके भाई हर्ष कुमार ने सतपाल के खाते में डाले। जून 2023 में नांगलोई मेट्रो स्टेशन पर तीन बार करके तीन लाख रुपये तीन किस्तों में नगद दिए और नवंबर 2023 में झज्जर बस स्टैंड पर 1,78500 रुपये नकद दिए। उन्होंने कहा कि इंतजार करो और मार्च 2024 में आप भर्ती हो जाओगे। पूजा ने बताया कि अब उसे पता चला कि सतपाल को राजस्थान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है तथा वह राजस्थान जेल में है।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने जनता दरबार लगा सुनीं समस्याएं

पानी का प्रेशर कम, पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहा पेयजल

■ नागरिकों ने अधिकारियों के समक्ष रखी पर्याप्त पेयजल मुहैया करवाने को नए बुस्टर की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

डीसी नरेश नरवाल के आदेशानुसार जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को वार्ड 13 और 14 के लिए आंबेडकर कॉलोनी के रविदास भवन में जनता दरबार लगाया। नागरिकों ने क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में पेयजल आपूर्ति के लिए नया बूस्टर बनवाने की मांग रखी। जनता दरबार में शामिल महिलाओं ने अधिकारियों को बताया कि उनके क्षेत्र में बहुत कम प्रेसर के साथ पानी आता है, जिससे उनके रोजमर्रा के काम नहीं हो पा रहे हैं, इससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विभाग के कार्यकारी अभियंता सूर्यकांत, एसडीओ सतीशचंद्र व सूर्यप्रकाश जैन, जेई दीपक, संजय जैन और उमेद सिंह ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं। गर्मी के मौसम के चलते डीसी नरवाल द्वारा जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में नागरिकों के समक्ष पेयजल की समस्या नहीं बननी चाहिए।

भिवानी। जनता दरबार में अधिकारियों के समक्ष समस्याएं रखती महिलाएं।

डीसी नरवाल के निर्देशानुसार जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने वार्ड 13 व 14 के लिए आंबेडकर कॉलोनी के रविदास भवन में जनता दरबार लगाया। नागरिकों ने अधिकारियों से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने की मांग की। नागरिकों ने अधिकारियों को बताया कि उनके क्षेत्र में पेयजल की भारी किल्लत बनी हुई है।

जल संरक्षण की जानकारी

पानी का प्रेसर कम होने के चलते लोगों को पर्याप्त मात्रा में पेयजल नहीं मिल रहा है। नागरिकों ने कहा कि जीवन के सबसे जरूरी पीने का पानी है, जबकि वहीं उन्हें जरूरत के अनुरूप नहीं मिल रहा है। अधिकारियों ने नागरिकों को आश्वासन दिया कि समस्या से उच्चाधिकारियों को अवगत करवाया जाएगा। वहीं अधिकारियों ने कहा कि नए बूस्टर के लिए जमीन मुहैया करवानी जरूरी है, जहां पर नया बूस्टर स्थापित किया जा सके। इस दौरान जल संरक्षण के जिला सलाहकार अशोक भाटी ने जल संरक्षण पर विस्तार से बताया। इस दौरान संबंधित वार्ड के पार्षद व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

ग्राफिक डिजाइनर एक प्रचलित करियर ऑप्शन

नालेज

यंगभूमि डेस्क

विद्यार्थी जीवन से ही व्यक्ति को अपने करियर को लेकर चिंता सताने शुरू हो जाती है। हर विद्यार्थी अपने भविष्य को सुरक्षित और उच्च पद पर नौकरी हासिल करके सवारना चाहता है। व्यक्ति के लिए नौकरी हासिल करने की एक इच्छा होती है। वर्तमान समय में लोगों के सामने कैरियर बनाने की बहुत सारे अवसर उपलब्ध होते हैं। करियर बनाने के लिए व्यक्ति अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी रुचि के अनुसार प्रयास करते हुए बेहतरीन करियर बना सकता है। डिजाइन बनने का एक सुनहरा मौका आज के समय में विद्यार्थियों के लिए काफी प्रचलित करियर ऑप्शन माना जाता है।

कौन होता है ग्राफिक डिजाइनर

ग्राफिक और कला के क्षेत्र में डिजाइन और टाइपोग्राफी का काम करने वाला व्यक्ति ग्राफिक डिजाइनर कहलाता है और यह कला क्लासिक डिजाइनिंग चलाती है। एक ग्राफिक डिजाइनर मुख्य तौर पर इलेक्ट्रोनिक मीडिया के माध्यम से और इलेक्ट्रोनिक प्रिंट के माध्यम से विज्ञापन के ग्राफिक बनाने का काम करते हैं। ग्राफिक डिजाइनर जो यूजर इंटरफेस और डिजाइनिंग का भी काम संभालने अपनी भूमिका निभाते हैं। ग्राफिक डिजाइनर आज के समय में भविष्य के लिए एक जबरदस्त उभरता हुआ कैरियर का ऑप्शन माना जाता है। ग्राफिक डिजाइनर बनकर विद्यार्थी अपने भविष्य को संभाल सकता है और आज के डिजिटल दौर में ग्राफिक डिजाइनर की पूछ दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। ग्राफिक डिजाइनर कि जिस प्रकार से जरूरत बढ़ती जा रही है। उस आधार पर हर व्यक्ति ग्राफिक डिजाइनर बनकर अपने भविष्य को बेहतर तरीके से सुरक्षित कर सकता है।

ग्राफिक डिजाइनर के प्रकार : ग्राफिक डिजाइनर और जस्टिस डिजाइनिंग का एक क्षेत्र बहुत ही बड़ा है और इसमें अलग-अलग क्षेत्र में उम्मीदवार अपनी इच्छा के अनुसार पढ़ाई कर सकता है और नौकरी हासिल कर सकता है। विद्यार्थी को जिस क्षेत्र में रुचि है। उसी क्षेत्र में विद्यार्थी को ग्राफिक डिजाइनर के सब्जेक्ट का चयन करते हुए डिग्री हासिल करनी चाहिए ग्राफिक डिजाइनर के प्रकार नीचे कुछ इस प्रकार से दिए गए हैं। -पैकेजिंग डिजाइनर, वेब और मोबाइल डिजाइनर, लेआउट और प्रिंट डिजाइनर, ब्रांड और लोगो डिजाइनर।

जरूरी योग्यता और स्किल

जो उम्मीदवार ग्राफिक डिजाइनर बनना चाहता है। उस उम्मीदवार को टाइम मैनेजमेंट का एक मुख्य ध्यान रखना होता है। टाइम मैनेजमेंट के अनुसार विद्यार्थी या किसी ग्राफिक डिजाइनर को अपने प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करना। जो उम्मीदवार ग्राफिक डिजाइनर बनने के लिए सपना देख रहा है। उस उम्मीदवार के पास एक कम्युनिकेशन स्किल्स होना बहुत ज्यादा जरूरी है। इसके माध्यम से उम्मीदवार अपने ग्राहक के साथ प्रोजेक्ट के बारे में अच्छी तरह से बात कर सकता है और उन्हें प्रोजेक्ट को अच्छी तरह से प्रजेंट टेंशन के जरिए समझा सकता है। इसके लिए उम्मीदवार के पास कम्युनिकेशन स्किल होना बहुत ही ज्यादा जरूरी है। ग्राफिक डिजाइनर बनने के लिए कई प्रकार के डिप्लोमा और डिग्री कोर्स लेने होते हैं और उसके लिए उम्मीदवार को न्यूनतम शैक्षणिक योगिता के तौर पर 12वीं कक्षा 60 प्रतिशत अंक के साथ पास होना जरूरी है।

ग्राफिक डिजाइनर के बैचलर कोर्स : 12वीं कक्षा पास करने के बाद जो उम्मीदवार बैचलर डिग्री ग्राफिक डिजाइनर बनने के लिए करना चाहता है। उन उम्मीदवारों के लिए ग्राफिक डिजाइनर के बैचलर को कोर्स नीचे दिए गए हैं।

- बीएफए इन ग्राफिक डिजाइन
- बी डेस इन ग्राफिक डिजाइन
- बीएससी इन डाटा विजवुएलाइजेशन
- बीए ग्राफिक डिजाइन
- बीए (ऑनर्स) इन ग्राफिक एंड कम्यूनिकेशन डिजाइन

ग्राफिक डिजाइनर कैसे बनें

ग्राफिक डिजाइनर बनने के लिए उम्मीदवार को नीचे दिए गए निम्नलिखित चलो को फॉलो करना चाहिए। इन चरणों को फोलो करते हुए विद्यार्थी आसानी से ग्राफिक डिजाइनर बन सकता है।

- सर्वप्रथम उम्मीदवार को दसवीं कक्षा के बाद 12वीं कक्षा पास करनी होगी। 12वीं कक्षा में न्यूनतम 60% अंक होना अनिवार्य है।
- अब उम्मीदवार को यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर जाकर एंट्रेंस एग्जाम में आवेदन करना होगा। एंट्रेंस एग्जाम की परीक्षा पास करने के पश्चात आपको कॉलेज मिल जाएगा।
- कॉलेज मिल जाने के बाद डिप्लोमा या डिग्री कोर्स के लिए निर्धारित समय अवधि तक पढ़ाई करते हुए आपको अपनी डिग्री या डिप्लोमा का कोर्स हासिल करना है।
- डिग्री करते समय आपको ग्राफिक डिजाइनर के सिद्धांत को सीखना होगा और ग्राफिक डिजाइनर के सभी सिलेबस को ढंग से पढ़ते हुए डिग्री पास करनी है।
- ग्राफिक डिजाइनर का सही कोर्ट आपको डिग्री लेते समय चयन करना चाहिए। ताकि भविष्य में आपको कोई भी दिक्कत का सामना ना करना पड़े।
- ग्राफिक डिजाइन के पुल के बारे में जानकारी अवश्य जी के सॉफ्टवेयर टूल के माध्यम से आपको बेहतर लेवल की नौकरी आसानी से मिल जाएगी।
- ग्राफिक डिजाइनर बनने के लिए आपको पोर्टफोलियो की प्रैक्टिस करनी चाहिए और आपको अपने स्किल्स को सुधारने का प्रयास करना चाहिए।

डिप्लोमा कोर्स : ग्राफिक डिजाइनर बनने के लिए आप बैचलर डिग्री या मास्टर डिग्री लेने के अलावा डिप्लोमा कोर्स लेकर भी ग्राफिक डिजाइनर बन सकते हैं।

- डिप्लोमा इन वेब एंड ग्राफिक डिजाइनिंग
- सर्टिफिकेट इन आर्ट एंड डिजाइन
- सर्टिफिकेट इन ग्राफिक एंड वेब डिवलपमेंट
- ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन ग्राफिक डिजाइनिंग
- ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन इनफोरमेंशन डिजाइनिंग

टॉप कॉलेज : भारत में बहुत सारे कॉलेज उपलब्ध है जो आपको ग्राफिक डिजाइनर बनने का मौका देते हैं। लेकिन भारत के टॉप यूनिवर्सिटी की बात की जाए तो भारत की टॉप यूनिवर्सिटी की सूची हम आपको नीचे प्रदान करवा रहे हैं:

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन
राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान
आर्क कॉलेज ऑफ डिजाइन एंड बिजनेस
प्रशांत विद्यालय
राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान

इससे रोचक और शानदार काम कोई और नहीं

खूबसूरत नजारों को कैद करने के शौकीन हैं तो फोटोग्राफी में बना सकते हैं करियर

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

सेवा के साथ-साथ बेहतर कमाई

आज के समय में लोगों के लिए अपने सही करियर का चयन करना मुश्किल हो जाता है। व्यक्ति 12वीं कक्षा पास करने के बाद विचलित हो जाता है कि उसे कौन से रास्ते का चयन करते हुए किस लक्ष्य पर पहुंच रहा है। इसके बारे में जानकारी नहीं होती है फोटोग्राफी आज के समय का और भविष्य के लिए एक उभरता हुआ करियर ऑप्शन माना जाता है। तस्वीर के माध्यम से अपने खूबसूरत लम्हों को कैद करना बेहद रोचक होता है और ऐसे में हर व्यक्ति अपने खूबसूरत लम्हों को कैद करने के लिए फोटोग्राफी और फोटोग्राफर की मदद लेते हैं। ऐसे में आप फोटोग्राफर बन कर अपनी सेवा लोगों को दे सकते हैं और बेहतर पैसा कमा सकते हैं। आज के इस आर्टिकल में हम आपको फोटोग्राफर कैसे बने, इसके बारे में विस्तृत जानकारी देंगे।

कौन होता है फोटोग्राफर

फोटोग्राफर एक काम है, जिसे प्रोफेशन के नाम से भी पहचानते हैं। ऐसा एक्स पार्ट 2 किसी भी विशेष अवसर पर तस्वीर खींचता है,उसे फोटोग्राफर कहते हैं। फोटोग्राफर एक प्रोफेशन के तौर पर बहुत ही ज्यादा लोकप्रिय क्षेत्र माना जाता है। जो उम्मीदवार शुरुआत से ही फोटो को पसंद करते हैं या फोटोग्राफी को पसंद करते हैं तो उन लोगों के लिए यह क्षेत्र जिसमें उम्मीदवार अपना करियर बना सकते हैं। फोटोग्राफी से संबंधित कोर्स करके और कैमरा उपकरणों के बारे में जानकारी हासिल करके व्यक्ति अपने करियर को समा सकता है। क्योंकि फोटोग्राफी के विकल्प दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। भविष्य के लिए भी फोटोग्राफर बनना एक बेहतरीन साबित हो सकता है।

करियर स्कोप : जब कोई भी व्यक्ति पढ़ाई करते हुए फोटोग्राफर की उपाधि हासिल कर लेता है। यानी कि डिप्लोमा और डिग्री पूरी करके फोटोग्राफर बन जाता है तो उसके पश्चात उम्मीदवार को कैरियर में जॉब के तौर पर कौन से क्षेत्र में नौकरी मिल जाती है। इसके बारे में सूची नीचे प्रदान कराई गई है।

फिल्म प्रोडक्शन हाउस, एडवरटाइजिंग एजेंसीज, इंडस्ट्रीयल एंड मीडिया इंस्टीट्यूट, प्रोफेशनल फोटो स्टूडियो, एनजीओ, स्पोर्ट्स, टीवी एंड न्यूज चैनल, न्यूज पेपर एंड मैगजीन, फैशन शो एंड बुटिक्स, इवेंट आर्गेनाइजेशन।

फोटोग्राफर बनने के लिए जरूरी योग्यता और स्किल

- उम्मीदवार के पास फोटो खींचने का एक अद्भुत टैलेंट होना चाहिए उम्मीदवार की नजर एकदम सटीक होनी चाहिए कि किसी भी विशेष मूवमेंट को आसानी से वह कैप्चर कर सकें।
- उम्मीदवार के पास एक टेक्निकल स्किल होना भी बहुत ही ज्यादा जरूरी है। जिसके माध्यम से वह अपने कैमरा और फोटो इसको स्टूडियो को बेहतर तरीके से मैनेज कर सके उम्मीदवार के पास सॉफ्टवेयर प्रोग्राम की नॉलेज होना भी बहुत ही ज्यादा जरूरी है।
- उम्मीदवार को फोटोग्राफी कला में अपने लेवल को बढ़ाने के लिए काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। क्योंकि यहां पर अपने ग्राहक को खुश करना और यूनिक तरीके से फोटोग्राफर के तौर पर जिम्मेदारी निभाना बहुत ही ज्यादा जरूरी है। आपके पास अनुभव की क्रिएटिविटी होना बहुत जरूरी है।
- कम्युनिकेशन स्किल्स हर बिजनेस और और कैरियर के क्षेत्र में बहुत जरूरी होती है। कम्युनिकेशन स्किल्स के माध्यम से ही आप अपने ग्राहक के साथ बेहतर तरीके से बात कर सकते हैं और हर प्रॉब्लम का सलूशन ढूंढ सकते हैं।
- फोटोग्राफर के लिए जरूरी डिप्लोमा करने के लिए आपके पास 12वीं कक्षा का सर्टिफिकेट होना अनिवार्य है। 12वीं कक्षा सर्टिफिकेट नहीं है। तब भी आप प्रैक्टिस कर के फोटोग्राफर बनने के सपने को पूरा कर सकते हैं।
- भारत के बाहर की यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेने के लिए आपको एक एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होता है और उसके पश्चात कि आपको वहां पर उस एंट्रेंस एग्जाम के माध्यम से चयनित किया जाता है।
- विश्व की अन्य यूनिवर्सिटी में शामिल होने के लिए भी आपको कार्य अनुभव आना जरूरी है।

सैलरी

फोटोग्राफर की कोई भी फिक्स सैलरी नहीं होती है। आपको अपने टैलेंट के आधार पर यहां पैसा कमाना होता है। फोटोग्राफर की अनुमानित सैलरी की बात करें,तो सालाना फोटोग्राफर 5,00,000 से 10,00,000 रुपये आराम से कमा सकता है और अपने टैलेंट और अनुभव के दम पर उम्मीदवार इससे अधिक पैसा भी कमा सकते हैं।

इस प्रक्रिया का पालन करें

- फोटोग्राफर बनने के लिए सबसे पहले उम्मीदवार को 12वीं कक्षा पास करने के बाद फोटोग्राफी के लिए जरूरी डिप्लोमा लेना होगा।
- डिप्लोमा लेने के लिए विद्यार्थी को सबसे पहले कॉलेज में एडमिशन के लिए आवेदन करना है।
- कॉलेज से पहले उम्मीदवार को कई प्रकार के एंट्रेंस एग्जाम जैसे कि एसओपी, एलओआर, आइलेट, टोफेल, सैट इनमें से किसी भी एक एंट्रेंस एग्जाम में एग्जाम देना होगा और उसके पश्चात आपको कॉलेज मिलता है।
- कॉलेज मिलने के बाद उम्मीदवार को किसी डिप्लोमा का चयन करते हुए उस डिप्लोमा में अच्छे से पढ़ाई करके आपको डिप्लोमा का सर्टिफिकेट हासिल करना है।
- फोटोग्राफी के लिए डिप्लोमा 3 महीने से लेकर 12 महीने की अवधि तक उपलब्ध करवाए जाते हैं।
- इस अवधि के दौरान आप पढ़ाई करके डिप्लोमा की डिग्री हासिल कर सकते हैं।
- डिप्लोमा की डिग्री लेने के बाद आपको प्रैक्टिस पर मुख्य रुप से ध्यान देना होगा। क्योंकि प्रैक्टिस ही इंसान के अनुभव को बढ़ाती है। प्रैक्टिस के बिना आप अधूरे हैं।
- जब आप की प्रैक्टिस अच्छे तरीके की हो जाती है तो उसके पश्चात आप अपने टैलेंट को दुनिया के सामने ला सकते हैं और अब भविष्य में अपने करियर को सक्सेस करने के लिए आपको कई प्रकार के पोर्टफोलियो या फिर सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए अपने टैलेंट और स्किल्स को दुनिया के सामने पेश करना होगा।
- आपके काम को देख कर अधिक से अधिक लोग आप से संपर्क कर सकें और आपकी पहचान बढ़ सके। फोटोग्राफी का काम पहचान पर ही निर्भर होता है।
- फोटोग्राफी के काम में पहचान ही आपको ज्यादा काम दिलाने में मदद करती है।

डिप्लोमा या डिग्री जरूरी

ऐसे तो बस 15 दिन की ट्रेनिंग के बाद भी उम्मीदवार फोटो खींचने में माहिर हो सकता है। फोटो खींचना इतना मुश्किल काम नहीं है। लेकिन एक प्रोफेशनल फोटोग्राफर बनने के लिए आपके पास डिप्लोमा और डिग्री होना बहुत ही ज्यादा जरूरी है। प्रोफेशनल फोटोग्राफर बनने के लिए विश्व भर में बहुत सारे ऐसे कॉलेज मौजूद है। जो अलग-अलग प्रकार के डिप्लोमा उपलब्ध करवा रहे हैं। फोटोग्राफी के लिए लोकप्रिय डिप्लोमा कोर्स की जानकारी आप ऑनलाइन भी प्राप्त कर सकते हैं।

भारत में टॉप कॉलेज : ऐसे तो भारत में जनसंख्या के आधार पर बहुत सारे कॉलेज उपलब्ध है। लेकिन भारत के टॉप कॉलेज की बात की जाए तो फोटोग्राफी के लिए भारत के टॉप कॉलेज की सूची नीचे कुछ इस प्रकार से दी गई है।
दिल्ली कॉलेज ऑफ फ्रोटोग्राफी (नई दिल्ली), द लाइट एंड लाइफ एकेडमी (ऊटी), कॉलेज ऑफ़ आर्ट यूनिवर्सिटी ऑफ़ दिल्ली (नई दिल्ली), मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर, जामिया मिलिया इस्लामिया (नई दिल्ली), एशियन एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन (नोएडा), आईआईपी अकादमी, दिल्ली, केएस अकादमी ऑफ फ्रोटोग्राफ्रिक आर्ट्स, तमिलनाडु, विजुअल आर्ट्स फैकल्टी बीएचयू।

जीवन में सफलता पाने के लिए शिक्षा के साथ-साथ कौशल भी जरूरी

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

शिक्षा और कौशल, दोनों ही मानव जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आधुनिक युग में, शिक्षा एक महत्वपूर्ण साधन है जो व्यक्ति को समझदार बनाता है, सामाजिक और आर्थिक विकास में मदद करता है, और समाज में साझा ज्ञान को बढ़ावा देता है। हालांकि, कौशल भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कौशलों के बिना, शिक्षा की कोई महत्व नहीं होती। कौशल व्यक्ति को वास्तविक जीवन में समस्याओं का सामना करने की क्षमता प्रदान करते हैं, और उन्हें अपने क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने में मदद करते हैं। शिक्षा के बिना भी कौशल से सफलता प्राप्त की जा सकती है, लेकिन कौशल बिना शिक्षा की अधिक विश्वसनीयता होती है।

हमारी शिक्षा प्रणाली थ्योरी आधारित

एक व्यक्ति जो कुशल हो, वह अपनी शिक्षा के स्तर से ऊपर उठ सकता है और अपने क्षेत्र में मान्यता प्राप्त कर सकता है। इसलिए, समाज को अपने शैक्षिक अनुभवों के साथ-साथ कौशलों को भी प्रोत्साहित करना चाहिए। शिक्षा और कौशल, दोनों का संबंध होना चाहिए ताकि व्यक्ति अपने पूरे पोटेंशियल को प्राप्त कर सके और समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सके। आज की तारीख में, शिक्षा का महत्व और आवश्यकता स्वभाविक रूप से स्वीकार किया जाता है, लेकिन यह उतना ही महत्वपूर्ण है कि छात्रों को अच्छी नौकरी मिलने में सहायक नहीं हो पा रहा है। इस समस्या का मुख्य कारण है कि हमारी शिक्षा प्रणाली अधिकतर थ्योरी पर आधारित है, जिससे छात्रों के पास अच्छे कौशल नहीं होते। वर्तमान में, बड़ी संख्या में छात्र शिक्षा के लिए अधिक प्राथमिकता देते हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कौशलों की भी जरूरत होती है। रोजगार के आधारित मॉडल में, छात्रों को सिर्फ शिक्षा प्राप्त करने की जरूरत नहीं होती, बल्कि उन्हें अपने कौशलों को भी विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। कई बार, छात्रों को अच्छे शैक्षिक योग्यता होने के बावजूद अच्छी नौकरी नहीं मिलती, क्योंकि उनके पास उच्च कौशल नहीं होते। यह शिक्षा प्रणाली की एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, जिसमें छात्रों को नौकरी के लिए तैयार नहीं किया जाता है, बल्कि सिर्फ उन्हें पाठ्यक्रम पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। इस समस्या का समाधान करने के लिए, हमें अपनी शिक्षा प्रणाली को प्रैक्टिकल और कौशल अनुकूल बनाने की आवश्यकता है। छात्रों को शैक्षिक पाठ्यक्रम के साथ-साथ कौशलों का भी ध्यान देना चाहिए, ताकि वे अपने क्षेत्र में अधिक प्रतिष्ठित बन सकें। इसके लिए, सरकार, शैक्षिक संस्थानों, और उद्यमियों के बीच सहयोग और समन्वय की जरूरत है। रोजगार के आधारित मॉडल में छात्रों को कौशलों का विकास करने के लिए शिक्षा प्रणाली को सुधारने की जरूरत है। यह न केवल उनके भविष्य के लिए बल्कि उनके देश के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। छात्रों को न केवल शिक्षा में बल्कि उनके कौशलों में भी समर्थ बनाने का माध्यम बनानछात्रों को न केवल शिक्षा में बल्कि उनके कौशलों में भी समर्थ बनाने का माध्यम बनाने के लिए, हमें शैक्षिक पाठ्यक्रम को प्रैक्टिकल और कौशलिक बनाने के लिए कदम उठाने की जरूरत है। यहाँ शिक्षा प्रणाली को अद्यतन करने के लिए विभिन्न उपाय हो सकते हैं, जैसे कि औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, कौशल विकास कक्षाएं, और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में विशेषाधिकार देना। साथ ही, छात्रों को अधिक व्यावसायिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर भी देना चाहिए, जैसे कि इंटर्नशिप और उद्यमिता के कार्यक्रम।

नई शिक्षा नीति दे रही उद्यमिता को बढ़ावा

इसके अलावा, सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों को संबंधित उद्योगों के साथ सहयोग करने का अवसर देना चाहिए ताकि छात्रों को अधिक प्रैक्टिकल ज्ञान और कौशल प्राप्त हो सके। इस प्रकार, हम छात्रों को न केवल अच्छी शिक्षा प्रदान करेंगे, बल्कि उन्हें अपने कौशलों का विकास करने में भी सहायता प्रदान करेंगे, जिससे वे समृद्ध और सफल भविष्य की ओर अग्रसर हो सकें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने उद्यमिता को कैसे महत्वपूर्ण मानती है, इसे परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह नीति न केवल शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन और सुधार की दिशा में कदम बढ़ाती है, बल्कि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए भी महत्वपूर्ण प्रस्तावों को समेटती है। उद्यमिता न केवल रोजगार सृजन का माध्यम है, बल्कि समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। पहले तो, नीति ने विद्यार्थियों को उद्यमिता की ओर प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रोग्राम और कोर्सों को शामिल किया है। इससे छात्रों को व्यावसायिक दक्षता और कौशल प्राप्त करने का अवसर मिलता है, जिससे वे अपने विचारों को व्यावसायिक धाराओं में परिणत कर सकते हैं। दूसरे, राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने उद्यमिता को समर्थ बनाने के लिए कैरिक्युलम को भी अद्यतन किया है। नये कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों के माध्यम से, विद्यार्थी अपने अनुप्रयोगात्मक कौशलों को विकसित करते हैं, जो उन्हें अपने व्यवसाय में सफलता प्राप्त करने में मदद करते हैं। तीसरे, उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने संस्थानों को उद्यमिता और नई विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए उनको सहायक कार्यक्रम और अनुसंधान के लिए साधनों की प्राप्ति के लिए प्रेरित किया है। इससे संस्थानों को छात्रों को उद्यमिता के क्षेत्र में नई और नवाचारी विचारों को विकसित करने का अवसर मिलता है।

सामान्य ज्ञान

1. निम्नलिखित में से वह सागर कौन - सा है, जो भू-बद्ध है ?
(ए) लाल सागर
(बी) तिमोर सागर
(सी) उतरी सागर
(डी) अरल सागर

2. अफ्रीका महाद्वीप की सबसे बड़ी झील है -
(ए) विक्टोरिया
(बी) न्यासा
(सी) टंगानिका
(डी) चाड

3. निम्नलिखित में से कौन - सा युग्म गलत है ?
(ए) ग्रेट बीयर - कनाडा
(बी) मिशिगन - अमेरिका
(सी) ओनेगा - ऑस्ट्रेलिया
(डी) टिटिकाका - पेरू-बोलीविया

4. निम्नलिखित में से कौन ईरान की सीमा को स्पर्श करता है ?
(ए) कैस्पियन सागर
(बी) अरल सागर
(सी) बाल्खश झील
(डी) बैकाल झील

5. निम्नलिखित में से किसको 'पर्ल ऑफ़ साइबेरिया' कहा जाता है ?
(ए) बैकाल झील
(बी) ग्रेट वीयर झील
(सी) करदा झील
(डी) लिंकनबर झील

6. किस देश की सीमा कैस्पियन झील से नहीं मिलती है ?
(ए) अजरबैजान
(बी) रूस
(सी) यूक्रेन
(डी) तुर्कमेनिस्तान

7. टान्ले सेप नाम झील निम्नलिखित में से किस देश में स्थित है ?
(ए) थाईलैंड
(बी) कम्बोडिया
(सी) इंडोनेशिया
(डी) लाओस

8. पृथ्वी पर सबसे गहरा स्थल है -
(ए) कैस्पियन सागर
(बी) काला सागर
(सी) मृत सागर
(डी) एजियन सागर

उत्तर 1.(डी) 2.(ए) 3.(सी) 4.(ए) 5.(ए) 6.(सी) 7.(बी) 8.(सी)

खबर संक्षेप

क्रोध, लोभ व मोह का त्यागकर श्रेष्ठ कर्म करें

भिवानी। मनुष्य जीवन में जाने अनजाने प्रतिदिन कई पाप होते है। उनका ईश्वर के समक्ष प्रायश्चित करना ही एक मात्र मुक्ति पाने का उपाय है। ये विचार कुंगड़िया के मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस की कथा को संबोधित करते हुए कथाव्यास आचार्य डॉ. विनय मिश्र ने कहे। उन्होंने ईश्वर आराधना के साथ अच्छे कर्म करने का आह्वान किया। जीवन में सत्संग व शास्त्रों में बताए आदर्शों का श्रवण करने का आह्वान करते हुए कहा कि सत्संग में वह शक्ति है, जो व्यक्ति के जीवन को बदल देती है। उन्होंने कहा कि व्यक्तियों को क्रोध, लोभ, मोह, हिंसा, संग्रह आदि का त्यागकर विवेक के साथ श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए।

बाल विवाह रोकने में सहयोग करें : डीसी

भिवानी। अक्षय तृतीया पर होने वाले अनगिनत विवाह के चलते डीसी नरेश नरवाल ने आमजन से अपील की कि वे जिले में एक भी बाल विवाह न होने दें, यदि बाल विवाह होने की कहीं पर सूचना मिलती है तो तुरंत उसकी जानकारी जिला प्रशासन या पुलिस प्रशासन को दें। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि बाल विवाह कानूनी रूप से अपराध होने के साथ-साथ सामाजिक बुराई भी है। उपायुक्त नरवाल ने कहा कि अक्षय तृतीया यानी अखा तीज पर अनगिनत शादियां होती है, ऐसे में ये नजर रखनी जरूरी है कि जिले में बाल विवाह न हो। बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत विवाह के लिए लड़की की उम्र 18 वर्ष या अधिक व लड़के की उम्र 21 वर्ष या अधिक होनी चाहिए, यदि शादी निर्धारित उम्र से पहले की जाती है तो ये बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत कानूनी अपराध है।

जिलेभर के सार्वजनिक स्थलों पर रखे सेल्फी प्वाइंट

युवाओं व बुजुर्गों ने सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचवाकर दिया मतदान करने का संदेश

लघु सचिवालय परिसर में जिला निर्वाचन कार्यालय ने रखवाए सेल्फी प्वाइंट

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

लोकसभा आम चुनाव-2024 में अधिक से अधिक मतदान को लेकर उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेश नरवाल के निर्देशानुसार स्वीप अभियान जोरों से चल रहा है। एक तरफ शिक्षण संस्थाओं में विद्यार्थियों द्वारा जागरूकता रैली व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा, वहीं जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर रखवाएं गए सेल्फी प्वाइंट अनायास ही राहगीरों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। लघु सचिवालय परिसर में रखे गए सेल्फी प्वाइंट पर शुक्रवार को युवाओं के साथ-साथ बुजुर्गों ने भी खूब चाव से सेल्फी करवाई और लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करने का संदेश दिया।

लोकसभा चुनाव में जिले में अधिक से अधिक मतदान को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी नरवाल के मार्गदर्शन में स्वीप अभियान की विशेष योजना तैयार की है। विशेषतौर पर विगत लोकसभा चुनाव में सामान्य से कम मतदान वाले केंद्रों पर जोर दिया जा रहा है और आमजन को मताधिकार का प्रयोग करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में नरवाल के निर्देश पर जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा जिलेभर में सार्वजनिक स्थलों पर सेल्फी प्वाइंट रखवाए जा रहे हैं। लघु सचिवालय परिसर स्थित सरल केंद्र में भी सेल्फी प्वाइंट रखा गया है, जो लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। सेल्फी प्वाइंट पर फोटो करवाने के लिए शुक्रवार को लोगों का खासा उत्साह दिखाई दिया।

सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचवाती युवती व सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचवाता बुजुर्ग। फोटो : हरिभूमि

अपने विवेक एवं बिना लोभ लालच के करेंगे मतदान : हर उम्र के लोगों ने यहां फोटो खिंचवा और लोकसभा चुनाव में मत का प्रयोग करने का संदेश दिया। भिवानी शहर निवासी युवा विशाल, साहिबा, ढाणीमाहू अंजु, बवानीखेड़ा निवासी प्रीतम और गांव सेहर निवासी करीब 60 वर्षीय चंद्रप्रकाश ने कहा कि वे लोकसभा चुनाव में अपने मत का प्रयोग जरूर करेंगे। युवाओं ने कहा कि अपने मन पसंद प्रत्याशी का चयन तभी होगा, जब हम अपने विवेक और बिना लोभ लालच के मतदान करेंगे।

छोड़ो अपने सारे काम-पहले चलो करो मतदान

उपायुक्त ने बताया कि लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत को अधिक से अधिक बढ़ाने के लिए स्वीप अभियान चलाया जा रहा है कि वोट हमारा अधिकार है, इसे बेकार नहीं करना है, वोट का प्रयोग जरूर करना है।

नागरिकों को बताया जा रहा कि चुनाव वाले दिन सारे काम छोड़कर सबसे पहले मतदान करना है। अंगुली पर स्याही का निशान लोकतंत्र की मजबूती के साथ-साथ समझदार नागरिक होने का भी प्रतीक है। लोकसभा चुनाव में मतदान 70 प्रतिशत से अधिक लेकर जाने का लक्ष्य है।

लोगों को बताई वोट की कीमत

युवाओं ने कहा कि वे न केवल स्वयं मतदान करेंगे बल्कि अपने साथियों को भी मतदान के लिए प्रेरित करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी नरवाल के निर्देशानुसार मौके पर मौजूद उप निर्वाचन तहसीलदार विनोद कुमार ने सेल्फी पर फोटो करवाकर मतदान करने का संदेश दिया। उन्होंने सरल केंद्र में किसी कार्य के लिए आने वाले लोगों को वोट की कीमत के बारे में बताया।

चुनाव का पर्व-देश का गर्व से हो रहा नए उत्साह का संचार

चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव के लिए अबकी बार चुनाव का पर्व-देश का गर्व थीम दिया है, जो नाम से मतदाताओं में नए जोश का संचार कर रहा है। चुनाव आयोग ने नागरिकों से अपील की कि अंगुली का प्रयोग केवल बायोमैट्रिक या लिफ्ट का बटन दबाने के लिए ही नहीं बल्कि ईवीएम का बटन दबाने के लिए भी करें। चुनाव का रंग भी सिर्फ अंगुली पर निशान नहीं है, ये लोकतंत्र की अनूठी शान का प्रतीक भी है। राष्ट्र को एक रंग से जोड़ने और सभी का इसमें समावेश करने वाले चुनाव के इस पर्व पर देश को गर्व है।

बाढ़ड़ा के राजकीय महिला महाविद्यालय में स्वीप टीम के साथ छात्राएं

महिला कॉलेजों में छात्राओं को बताया मतदान का महत्व

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बाढ़ड़ा

पहली बार मतदान में भाग लेने का अवसर मिले और लोकतंत्र के महापर्व में लड़कियों का योगदान बढ़े इसके लिए दादरी उपायुक्त मनदीप कौर के निर्देशन में स्वीप टीम ने महिला कॉलेजों में छात्राओं के वोट पंजीकरण अभियान चलाया है। इस कड़ी में शुक्रवार को राजकीय महिला महाविद्यालय बाढ़डा में स्वीप टीम ने एक दिवसीय मतदाता पंजीकरण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया और 40 से अधिक नए वोट के लिए पंजीकरण किया। छात्राएं नए वोट बनवाने की प्रक्रिया को समझें इसके लिए छात्राओं से उनके मोबाइल में वोटर हेल्पलाइन के जरिए नए वोट के लिए पंजीकरण करवाया। इस अवसर पर छात्राओं को समझाया गया कि मतदाता बनने के लिए शादी का इंतजार न करें और 18 वर्ष की आयु पूर्ण होते ही अपना वोट बनवाएं। शादी के बाद मतदाता सूची में नाम स्थानांतरण की प्रक्रिया बहुत आसान है। प्राचार्य डॉ. सुबेसिंह ने शेष छात्राओं को भी जल्द से जल्द वोट बनाने का आह्वान किया। महाविद्यालय की चुनाव साक्षरता क्लब प्रभारी प्रोफेसर मीना ने छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि 18 वर्ष की आयु के बाद मतदाता सूची में नाम अवश्य दर्ज करवाना चाहिए, ये हमारा अधिकार ही नहीं, बल्कि कर्तव्य भी है।

पत्नी व बच्चों पर गंडासे से जानलेवा हमला

हिसार। बरवाला में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी व बच्चों के साथ बुरी तरह से मारपीट की। सूचना के बाद मौके पर पहुंची डायल 112 टीम के साथ भी उसने धक्का-मुक्की की। पुलिस ने महिला मीना की शिकायत पर उसके पति पर केस दर्ज किया है। ज्ञानपुरा निवासी महिला मीना ने बरवाला पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उसके दो बच्चे हैं। पति शराबी है। वह हर रोज शराब पीकर उसके व उसके बच्चों के साथ गाली गलौज व मार पिटाई करता है। गुरुवार रात को उसके पति अशोक ने दिन में उसके साथ मारपिटाई की और उसके कपड़े भी फाड़ दिए। इसके बाद शाम को पति शराब पीकर घर पर आया और आते ही उसके व मेरे बच्चों के साथ मार पिटाई करने लगा। उसने बताया कि खुद के बचाव के लिए उसने पति को धक्का दिया तो वह फर्श पर गिर गया।

भिवानी। ग्रामीणों को वोट के महत्व व अधिकार की जानकारी देती सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की भजन मंडली। फोटो : हरिभूमि

लोकगीतों में बताया वोट का महत्त्व

भिवानी। स्वीप अभियान के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी नरेश नरवाल के निर्देशानुसार सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग की भजन मंडली ने मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। इसी कड़ी में विभाग की भजन पार्टी ने गांव पहलादगढ़ के बूथ नंबर 177 व 178 जहां विगत चुनाव में कम मतदान हुआ था, वहां के मतदाताओं को भजन व गीतों के माध्यम से वोट के महत्व को समझाया। उन्होंने लोकगीतों के माध्यम से मतदाताओं का आह्वान किया कि वे अपने मत का प्रयोग जरूर करें, ताकि मतदान प्रतिशत अधिक से अधिक हो। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सुरेन्द्र सिंगल ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त नरवाल के आदेशानुसार लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान को लेकर जिले में प्रत्येक विधानसभानुसार दस-दस ऐसे बूथों की सूची तैयार की गई है।

सांगवान अब भाजपा से खेलेंगे राजनीति की नई पारी

- वर्ष 2019 में लड़ा था जेजेपी से दादरी विधानसभा से चुनाव

हरिभूमि न्यूज ▸▸| चरखी दादरी

दादरी विधानसभा से हविपा और हजंका से विधायक रह चुके सतपाल सांगवान अब भाजपा में राजनीति की नई पारी खेलेंगे। शुक्रवार को सांगवान सोनीपत में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में भाजपा में शामिल हो गए। वर्ष 1996 में दूरसंचार विभाग से एसडीओ को नौकरी छोड़कर हरियाणा विकास पार्टी (हविपा) से अपना राजनीति सफर शुरू करने वाले सतपाल सांगवान की दादरी के सीनियर नेताओं में गिनती होती है।

चरखी दादरी। सतपाल सांगवान को भाजपा में शामिल करते पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल। फोटो : हरिभूमि

भाजपा में सांगवान खुद की बजाय पुत्र या पुत्रवधू के लिए टिकट की दावेदारी पेश कर सकते हैं। सांगवान पूर्व मुख्यमंत्री बंसीलाल के करीबी थे। उन्होंने पहली बार 1996 में हविपा से चुनाव लड़ा और जीत दर्ज कर विधायक बने थे। 2005 में हविपा का कांग्रेस में विलय हो गया, लेकिन सांगवान को कांग्रेस से टिकट नहीं मिली। उन्होंने 2005 में दादरी विधानसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ा और हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद 2008 में हजकां में शामिल हो गए। 2009 में उन्होंने हजंका से चुनाव लड़ा और जीत गए। जीत के बाद वे कांग्रेस में शामिल हो गए और कैबिनेट मंत्री बने। 2014 में कांग्रेस की टिकट पर विस चुनाव लड़ा और भारी मत से हार का मुंह देखना पड़ा।

हजंका छोड़कर कांग्रेस में हुए थे शामिल

हरियाणा जनहित कांग्रेस (बीएल)से 2009 में विधायक बने सतपाल सांगवान ने कुछ दिनों बाद अन्य पांच विधायकों के साथ कांग्रेस का दामन थाम लिया था। कांग्रेस ने सांगवान को पहले राजस्व और बाद में कैबिनेट मंत्री बनाया था। हजकां छोड़कर कांग्रेस का समर्थन करने वाले सांगवान सहित हजकां के 5 विधायकों पर दलबदल कानून के तहत केस चला था।

छह माह पहले छोड़ी थी जजपा

जजपा ने ज्वाइन करते ही सतपाल सांगवान को 2019 में दादरी से टिकट दिया था। इस चुनाव में सांगवान दूसरे नंबर पर रहे। निर्दलीय उम्मीदवार सोमबीर सांगवान ने उसको हराया था। चुनाव के बाद जजपा ने उनको राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का दायित्व दिया था। मगर जजपा से सांगवान का मोह भंग हो गया और पार्टी के कार्यक्रमों से दूरी बना ली। करीब 6 महीने पहले ही उन्होंने कार्यकर्त्ता मीटिंग में सांगवान ने जजपा छोड़ने का एलान किया था। तब से सांगवान के भाजपा में शामिल होने के कयास लगाए जा रहे थे।

बाल विवाह नहीं होने देने का संकल्प

- डीसी नरवाल के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग कर रहा जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

अक्षय तृतीया के मद्देनजर बाल विवाह पर पूर्णरूप से रोकथाम को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा डीसी नरेश नरवाल के मार्गदर्शन में रूरल प्रथम और रूरल द्वितीय में विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया।

महिलाओं ने शपथ लेकर बाल विवाह नहीं होने देने का संकल्प लिया। कार्यक्रमों का आयोजन जिला कार्यक्रम अधिकारी वैशाली के निर्देशानुसार करवाए गए। उल्लेखनीय है कि अक्षय तृतीया पर भारी संख्या में शादियां होती हैं। ऐसे में रूढ़िवादिता के चलते बाल विवाह होने की भी संभावना बनी रहती है।

बाल विवाह रोकने को लेकर ही महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें विशेषकर महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है कि वे बाल विवाह रोकने में अपना योगदान दें। यदि कहीं पर बाल विवाह की सूचना मिलती है तो उसके बारे में तुरंत सूचना दें ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। रूरल वन और द्वितीय की सीडीपीओ ऊषा ने बताया कि शुक्रवार को रूरल वन के गांव चांग, मुंढाल, बडसेरा, कलिंगा, रेवाड़ी खेड़ा, बामला निनाण व नाथूवास, रूरल द्वितीय के गांव राजगढ़, धिराणा, कोहाड़, देवसर आदि दोनों खंडों के विभिन्न गांवों के आंगवाड़ी केंद्रों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया और महिलाओं ने बाल विवाह नहीं होने देने की शपथ ली।

भिवानी। बीडी गुप्त की प्रतिमा का अनावरण करते स्वामी ज्ञानानंद महाराज व अन्य।

गुप्ता की प्रतिमा का किया अनावरण

भिवानी। संत-महापुरुषों के आदर्शों व उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने व जीवन मूल्यों के निर्माण के उद्देश्य को लेकर हम सबको मिलकर प्रयास करना चाहिए, बाबू बनारसी दास गुप्ता ने अपना पूरा जीवन लोगों की भलाई व सामाजिक कार्यों को समर्पित किया, ये बात ग्राम पंचायत मानहेरू द्वारा गांव के बीडी. गुप्त राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्थापित मानहेरू की मिट्टी के सपूत, महान स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व सांसद बनारसीदास गुप्त की प्रतिमा के अनावरण पर मुख्यतिथि महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद ने व्यक्त किए। शुक्रवार को ग्राम पंचायत मानहेरू द्वारा बीडी गुप्त राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्वर्गीय बनारसी दास गुप्त की प्रतिमा का अनावरण मुख्यतिथि स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने किया। अनावरण अवसर पर मुख्य रूप से बीडी गुप्ता के सुपुत्र एवं बीडी गुप्ता फांउण्डेशन के अध्यक्ष अजय गुप्ता, स्वर्गीय बनारसी दास गुप्त के पौत्र और पौत्र वधु प्रियांश और इश्ता, शिवरत्न गुप्ता आदि मौजूद रहे।

सुनो ए सखियो सुनो, वोट गैरण जाना सै...

- एसडीएम दलाल साफा पहनकर ऊंट गाड़ी में बैठे और मतदान की अपील

हरिभूमि न्यूज ▸▸| तोशाम

सुनो ए सखियो सुनो..वोट गेरण न जाना सै..भूल न जाना पांच साल बाद यो त्योंहार आना सै... शुक्रवार को गांव मिरान की गली-गली में गूंजता ये लोकगीत अपने खास अंदाज में मतदान की अपील दे रहा था। हरियाणवी वेशभूषा में सज-धजकर ऊंट गाड़ी में बैठी महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व अन्य महिलाओं द्वारा गुनगुनाया जा रहा ये गीत ग्रामवासियों का ध्यान खींच रहा था। एसडीएम मनोज कुमार दलाल स्वयं साफा पहनकर ऊंट गाड़ी में बैठे और मतदान की अपील की।

तोशाम। ऊंट रेहड़ी में सवार एसडीएम दलाल व साथ में अन्य। फोटो : हरिभूमि

ऊंट गाड़ी की सवारी व लोकगीत से प्रभावित ग्रामीण एवं विशेषकर महिलाएं कहती सुनी गई कि बात तो ठीक सै। इस दौरान एसडीएम ने दिव्यांग मतदाताओं को भी सम्मानित किया। एसडीएम ने सेल्फी प्वाइंट पर महिलाओं के साथ फोटो भी खिंचवाई। सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम मनोज कुमार दलाल के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं अन्य महिलाओं ने नुक्कड़ नाटक व लोकगीत के माध्यम से गांव मिरान में शत-प्रतिशत मतदान का संदेश दिया। महिलाओं ने लोकगीत गाकर मिरानवासियों को जागरूक किया।

चरखी दादरी। रोज गार्डन में लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करती स्वीप टीम ।

कोई भी न रहे मतदान से वंचित

चरखी दादरी। शहर के हाथी पार्क में लोग जहां टहलते व व्यायाम करते नजर आते हैं वहीं स्वीप टीम बुजुर्गों को वोट का महत्व समझाते हुए दिखाई दी। आगामी लोकसभा आम चुनाव में कोई भी मतदान से वंचित न रहे, इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त मनदीप कौर के निर्देशन में स्वीप टीम द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार को स्वीप टीम ने हाथी पार्क पहुंचकर बुजुर्गों व युवाओं को वोट का महत्व समझाते हुए अधिक से अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान मंडली बनाकर भजन करती बुजुर्ग महिलाओं को टीम सदस्य डॉ. सतीश साहू ने बताया कि इस बार निर्वाचन आयोग द्वारा 85 वर्ष या इससे अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए विशेष सुविधाएं मुहैया करवाई जा रहीं हैं। ऐसे बुजुर्गों के लिए घर से वोट डालने की सुविधा दी जा रही है।

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद से लिया आशीर्वाद

सांसद कार्तिकेय ने परशुराम जयंती का दिया न्योता

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि जब भी वे भिवानी आते हैं, उन्हें वैसा ही प्यार व आशीर्वाद मिलता है, जैसा उन्हें अपने परिवार में माता-पिता से मिलता है, उनके पिता पंडित विनोद शर्मा ने उन्हें एक ही बात कही थी कि अगर वे समाज या गरीबों के लिए कुछ कर सकते हैं तो ही राजनीति में आएं और इसी मकसद से वे राजनीति में आए हैं। शर्मा पांच मई को करनाल में होने वाले परशुराम जयंती समारोह का न्योता देने के लिए यमुनानगर, करनाल व जींद के बाद भिवानी पहुंचे थे। सांसद का भिवानी में विभिन्न कार्यक्रमों में जोरदार स्वागत हुआ। सर्वसमाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि वे यहां नेता का संदेश लेकर नहीं, बल्कि पंडित विनोद शर्मा का संदेश लेकर आए हैं। पंडित विनोद शर्मा ने उन्हें पांच मई को बड़ा कार्यक्रम करने की बात कही थी, उसी संदेश को लेकर वे आए हैं, वे भगवान परशुराम के वंशज हैं और उनके सिद्धांत व संदेश को आगे बढ़ाने के लिए लोगों के बीच जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भिवानी ने विगत में आयोजित परशुराम महाकुंभ में भी अहम भूमिका निभाई थी और इस बार विगत कार्यक्रम का रिकॉर्ड तोड़ना है। सांसद शर्मा ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में एक बार फिर भाजपा 400 पार करेगी। इस मौके पर पूर्वमंत्री डॉ. वासुदेव शर्मा ने कहा कि जाट व राजपूत समाज हमे दादा व बाबा कहकर सम्मान देता हैं, ये हमारे बुजुर्गों का त्याग बलिदान था, इसे हम दिन प्रतिदिन खोते जा रहे हैं, हमें अपने बच्चों में संस्कार भरने होंगे। आम आदमी पार्टी की प्रदेश संगठन नेत्री इंदु शर्मा ने भी सांसद कार्तिकेय का स्वागत किया। इस मौके पर पंडित जयभगवान शर्मा, अनिल शर्मा, देवकांत शर्मा, निखिल भारद्वाज, बाली शर्मा, दयानंद कौशिक सहित 36 बिरादरी व विभिन्न संगठनों के लोग मौजूद थे। बाद में सांसद कार्तिकेय अंचल मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में स्वामी ज्ञानानंद के प्रवास कार्यक्रम में पहुंचे तथा उनका आशीर्वाद लिया। इस मौके पर डॉ. विनोद अंचल, डॉ. अनिता अंचल, डॉ. कृष्ण आदि मौजूद थे।

भिवानी। सांसद कार्तिकेय शर्मा का अभिनंदन करते लोग। फोटो : हरिभूमि

अवैध शराब सहित दो व्यक्ति गिरफ्तार

हिसार। पुलिस ने अलग-अलग जगह से दो व्यक्तियों को काबू कर 22 बोतल अवैध शराब बरामद की है। थाना अग्रोहा पुलिस ने गश्त के दौरान साबरवास निवासी विनोद को काबू करके उससे 11 बोतल शराब बरामद करके उसका मोटरसाइकिल कब्जे में ले लिया। इसी तरह मंगाली चौकी पुलिस ने मंगाली कुटिया गौशाला के नजदीक से मंगाली आकलान निवासी गणपतराय को काबू करके 11 बोतल शराब बरामद की।

सूचना

मैं, INDRA VATI (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) पत्नी विजय सिंह निवासी गांव हरियावास तहसील लोहारू जिला भिवानी, हरियाणा बयान करती हूं कि मेरा नाम INDRA VATI है और अपना नाम बदलकर INDRA WATI (नया नाम) करवाना चाहती हूं। मेरे बेटे संजय कुमार पुत्र विजय सिंह के फौज के रिकॉर्ड में मेरी जन्मतिथि 01.01.1977 लिखी हुई है जो कि गलत है। जबकि सही जन्म तिथि 01.01.1967 है। मेरे पुत्र के फौज रिकॉर्ड में जन्म तिथि 01.01.1967 की जाए।

खबर संक्षेप

लोहारू। गिगनाऊ में किसानों की चौपाल पर चुनावी चर्चा कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए किसान।

किसानों की चौपाल पर चुनावी चाय चर्चा कार्यक्रम

लोहारू। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर गिगनाऊ में शुक्रवार को चौपाल पर चुनावी चाय चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता सुलतान दहिया ने की और मंच का संचालन लोहारू ब्लाक प्रधान रवींद्र कस्वां ने किया। किसानों ने कहा कि वे गांव गांव जाकर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं और मोदी सरकार की कथित वादा खिलाफी से किसानों को अवगत करा रहे हैं। उन्होंने भाजपा को ताली और थाली बजाने की सरकार करार देते हुए कहा कि सरकार ने किसानों के साथ विश्वास घात किया है। तीन काले कानूनों के लिए देश के किसानों को संघर्ष करना पड़ा और बलिदान देना पड़ा लेकिन उस समय सरकार ने किसानों से जो वादे किए थे, वो आज तक पूरे नही किए।

भिवानी। बच्चों को दांतों के प्रति सांवधानियां की जानकारी देते चिकित्सक।

दांतों से जुड़ी समस्याओं से बचाने को सेमिनार

भिवानी। ब्लूमिंग बड्स स्कूल में शिवम डेंटल हैस्पीटल से डॉक्टर संजय राजपूत व उनके सहयोगी डॉक्टर प्रिया ने अध्यापकों व बच्चों को दातों में होने वाली प्रॉब्लम के बारे में अवगत करवाया और सावधानियों पर चर्चा की। डॉक्टर संजय ने बच्चो को बताया कि हमे रात को सोने के समय ब्रश करना चाहिए और सुबह उठने के बाद कुर्ला करें एवं नाश्ता करने के बाद ब्रुश करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को टॉफी आदि नहीं खानी चाहिए। स्कूल प्राचार्य रेणु गुप्ता व डायरेक्टर अजय गुप्ता ने चिकित्सकों का पुष्प गुच्छ एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

मान्यता का नहीं कोई प्रूफ, कुछ स्कूल मुखिया बच्चों के भविष्य से कर रहे खिलवाड़

- कबाड़ी की दुकानों पर खड़े मिलने वाले वाहन विद्यार्थियों को लेकर सड़कों पर लगा रहे दौड़
- काफी स्कूल संचालक कंडम वाहनों को डेंट पेंट करवाकर कर रहे इस्तेमाल

दीपक कुमार डुमड़ा ⏭ बवानीखेड़ा

कनीना में निजी स्कूल की बस में सवार विद्यार्थियों के साथ हुए मौत के तांडव पश्चात शिक्षा विभाग ने अपनी नजरें उन विद्यालयों पर पैनी कर दी है, जिनके पास कोई मान्यता नहीं है व सभी विद्यालयों से उनके वाहनों के कागजातों को लेकर जांच की जा रही है। इसके अलावा उनसे शपथपत्र भी लिए जा रहे हैं।

वहीं बवानीखेड़ा खंड में अनेक ऐसे स्कूलों के नाम पर दुकानें चल रही हैं, जिनके पास मान्यता का कोई कागज तक नहीं है, लेकिन उनके चेहरों को कोई शिकन तक दिखाई नहीं देती, जिसकारण ऐसे विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों व इनसे निकलकर अन्य विद्यालयों में गए बच्चों का एमआईएस पर डाटा पूर्ण नहीं हो रहा। इससे खासी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जानकारों की मानें तो ऐसे विद्यालय दाखिले के समय अभिभावकों को झूठे आश्वसनों देते हैं और मोटी फीस हड़पकर उनके जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। वहीं निजी विद्यालयों द्वारा बच्चों को लाने ले जाने के लिए लगाए गए वाहन काफी जर्जर व कंडम हालत में हैं, इसके बावजूद स्कूल संचालक इन वाहनों को स्कूल वाहन के रूप में इस्तेमाल कर नौनिहालों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं, वहीं प्रशासन का इन विद्यालयों को कोई भय दिखाई नहीं दे रहा और स्कूल संचालक यातायात नियमों व शिक्षा नीति का धड़ल्ले से उल्लंघन कर रहे हैं।

फर्जी स्कूलों पर वाकई कार्यवाही होगी या फिर ड्रामा पार्ट

हर वर्ष नए सत्र के दाखिला को लेकर विभाग द्वारा निजी विद्यालयों की मान्यता को लेकर सवाल उठाए जाते हैं व समाचार पत्रों सहित सोशल मीडिया पर भी प्रचार होता है, लेकिन कुछ दिनों बाद सब मामला शांत हो जाता है, जिसके चलते ऐसे विद्यालयों का साहस बढ़ता है और शिक्षा विभाग की कार्रवाई प्रणाली को देखकर लगता है कि शायद कोई ड्रामा चल रहा हो। खंड में ऐसे अनेक स्कूल खुले हुए हैं, जिनके विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों का कोई रिकार्ड नहीं है, जिससे उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। वहीं कुछ विद्यालय मुखिया कह रहे हैं कि विभाग हर वर्ष ऐसा खेल खेलता है, लेकिन कुछ समय बाद सब बंद हो जाएगा।

निजी विद्यालयों के रिकॉर्ड की होगी जांच

सीआरसी संतोष भाकर ने बताया कि विभाग के आदेशानुसार निजी विद्यालयों से पहले भी वाहनों, छात्र संख्या आदि की सूचनाएं एकत्रित की है और अब निजी विद्यालयों द्वारा दिए गए शपथपत्रों की पहले दिए गए निजी विद्यालयों की सूचनाओं से मैचिंग की जाएगी। कमी मिलने पर विभाग को लिखा जाएगा। वहीं उन्होंने अभिभावकों को बताया कि राजकीय विद्यालयों में सभी सुविधाएं उपलब्ध है, इसलिए सरकारी विद्यालयों में बच्चों का दाखिला करवाएं। बच्चों के अभिभावकों को जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले निजी बिना मान्यता ब्रांचों से बचना चाहिए।

विद्यालयों की रिपोर्ट पूरी कर विभाग को करेंगे सुपुर्द

कार्यकारी खंड शिक्षा अधिकारी आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि ऐसे विद्यालयों की पहचान कर ली गई है जिनके पास मान्यता/गैर मान्यता का कोई भी कागज नहीं है, ऐसे विद्यालयों पर शिकंजा कसने के लिए सूची तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी, ताकि ऐसी छोटी दुकानों को बंद करवाकर शिक्षा विभाग के आदेशों की पालना की जा सके। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों का दाखिला करवाते समय पूरी सतर्कता बरतने क बात कही।

कविता पाठ में नितिका, पोस्टर मेकिंग में प्रीतम व स्लोगन में मनीषा प्रथम

वाद-विवाद, क्विज और भाषण प्रतियोगिता में हिमांशु प्रथम

- नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय में हुई विभिन्न प्रतियोगिताएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। कार्यक्रम में प्रस्तुति देती छात्रा व मंचासीन अतिथि व शिक्षक तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

महानिदेशक उच्चतर शिक्षा एवं हरियाणा लीगल सर्विस अथॉरिटी के निर्देशन में महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय में लीगल लिटरेसी सेल द्वारा प्राचार्य महेंद्र शर्मा की अध्यक्षता एवं कन्वीनर प्रोफेसर राजकुमार शर्मा मुंढाल व सहसंयोजक पूनम जोगपाल के संयोजन में मानवाधिकार, मौलिक कर्तव्य, रैगिंग, महिलाओं की घरेलू हिंसा से सुरक्षा, शिक्षा एवं सूचना अधिकार विषयों पर कॉलेज स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया,जिसमें वाद-विवाद व भाषण प्रतियोगिता में हिमांशु प्रथम, कविता पाठ में नितिका, पोस्टर मेकिंग में प्रीतम व स्लोग्न में मनीषा ने प्रथम स्थान हासिल किया। इस मौके पर प्रोफेसर राजकुमार ने बताया कि लोकतंत्र की मजबूती एवं समरसता युक्त समाज निर्माण के लिए उपरोक्त विषयों पर छात्र रूपी मजबूत कड़ी से हर नागरिक को जागरूक करना है, हमें केवल अधिकारों की ही नहीं बल्कि भारतीय संवैधानिक व अंतरराष्ट्रीय कानूनी दायित्वों का ज्ञान भी जरूरी होना चाहिए, जिनकी पालना से अधिकार सुरक्षित रह सकते हैं। इस कड़ी में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रोफेसर राजकुमार ने बताया कि प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का चयन जिलास्तर पर होने वाली प्रतियोगिता के लिए किया गया है। इस अवसर पर उपप्राचार्य रणधीर रोहिल्ला, योगमाया शर्मा, डॉ. एवी शर्मा, रेखा तंवर, नीतू, प्रवेश, मोनिका, ममता, सरिता आदि उपस्थित रहे।

ये रहा परिणाम

भाषण प्रतियोगिता में हिमांशु प्रथम, कन्हैया द्वितीय, श्रुति तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाद-विवाद में हिमांशु प्रथम, गगन द्वितीय, कविता पाठ में नितिका प्रथम, प्रांशु द्वितीय, पोस्टर मेकिंग में प्रीतिम प्रथम, रितु द्वितीय व मनीषा तृतीय स्थान जीता। पीपीटी में मोहित शर्मा प्रथम, रोहित द्वितीय, स्लोगन में मनीषा प्रथम, काजल द्वितीय, निबंध लेखन प्रतियोगिता में कन्हैया कौशिक प्रथम, हिमांशु द्वितीय, अभिषेक तृतीय तथा क्विज में हिमांशु प्रथम, कन्हैया कौशिक द्वितीय व रोहित तृतीय स्थान हासिल किया।

निबंध लेखन प्रतियोगिता में किरण प्रथम

भिवानी। राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में उच्चतर शिक्षा विभाग पंचकूला निर्देशित व कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर त्रिलोकचंद की अध्यक्षता में लीगल लिटरेसी सैल के तत्वाधान में प्रभारी प्रोफेसर मनजीत व डॉ. भामा अग्रवाल के कुशल निर्देशन में निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभागिता दर्ज की। निबंध लेखन का विषय मौलिक कर्त्तव्य के प्रति सजगता रहा। प्राचार्य ने छात्राओं व आयोजक समिति को बधाई देते हुए कहा कि समाज में सर्वांगीण विकास के लिए कर्त्तव्य और अधिकारों में संतुलन बनाना अत्यंत अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि जब तक हम जीवन में कर्त्तव्यों के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण नहीं अपनाते हैं, तब तक हमारे लिए अधिकार प्राप्ति सदैव संदेह में रहती है, यदि हम अपने अधिकारों का पूर्ण आनंद उठाना चाहते हैं तो कर्त्तव्यनिष्ठ बनना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विजेताओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में किरण ने प्रथम, प्रियंका ने द्वितीय व चारू ने तृतीय स्थान ने प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में प्रोफेसर मुकेश, प्रोफेसर धर्मपाल सिंह, प्रोफेसर सतविंद्र चौहान शामिल रहे। इस अवसर पर प्रोफेसर मीनाक्षी, प्रोफेसर सरोज, प्रोफेसर लक्ष्मी आदि मौजूद रहे।

भिवानी। कुलपति प्रोफेसर दीप्ति, कुलसचिव डॉ.ऋतु व डीन स्टूडेंट वेलफेयर के साथ विजेता टीम के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

सीबीएलयू की महिला हैंडबॉल टीम ने जीता कांस्य पदक

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में खुशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

- कुलपति प्रोफेसर दीप्ति, कुलसचिव डॉ.ऋतु व डीन स्टूडेंट वेलफेयर ने दी विजेताओं को बधाई
- विश्वविद्यालय की टीम जोन चैंपियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता बनी थी

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की महिला हैंडबॉल टीम ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी और हैंडबॉल महिला चैंपियनशिप में तृतीय स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता। टीम के कांस्य पदक जीतने पर विश्वविद्यालय में खुशी का माहौल है। विश्वविद्यालय की टीम जोन चैंपियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता बनी थी।

12 से 16 अप्रैल तक राजस्थान में उदयपुर की जेएनआर विद्यापीठ में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप में देशभर की 16 टीमों ने हिस्सा लिया। सीबीएलयू की महिला हैंडबॉल टीम ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर की टीम को हराकर तृतीय स्थान हासिल किया और कांस्य पदक विजेता बनी। विवि टीम द्वारा बेहतर प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परचम लहराने पर कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी ने खुशी जाहिर कर जीत को विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि करार दिया और उन्होंने कहा कि भविष्य में भी विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों द्वारा अपनी प्रतिभा का इसी तरह परचम लहर कर विजय होने की उम्मीद जताई।

कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी, कुलसचिव डॉ. ऋतु सिंह और डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सुरेश मलिक ने विश्वविद्यालय की महिला हैंडबॉल टीम के विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी महिला हैंडबाल चैंपियनशिप में विवि की टीम की अगुवाई कोच मंजीत ढांढा, संदीप बलौदा और हरियाणा पुलिस महिला टीम की कोच सुनीता कुमारी ने किया।

जनसंपर्क अभियान को लेकर हुई भाजपा केशव मंडल की बैठक

भिवानी। भाजपा केशव मंडल की बैठक में उपस्थित पदाधिकारी व कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। जनसंपर्क अभियान को लेकर भाजपा केशव मंडल अध्यक्ष राजेश जांगड़ा की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए चलाए जाने वाले जनसंपर्क अभियान को लेकर चर्चा हुई। जांगड़ा ने कहा कि मंडल का प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर पर लोगों को पार्टी की नीतियों से अवगत करवाए और उन्हें मंडल के साथ जोड़ने का कार्य करें। बैठक में महामंत्री अशोक यादव, शिवराज बागड़ी, अनिल सोनी, महेंद्र सिंह, संजय गिरीधर, बालकिशन शर्मा, राजेश देवी, प्रवीण गुप्ता, धर्मबीर पोटलियां, विनोद अत्री, गौरव, वरुण, पवन, चमन सिंह व राकेश आदि उपस्थित रहे।

एसडीएम ने खंड के प्ले स्कूल संचालकों की ली बैठक

सुरक्षा पॉलिसी को लेकर आवश्यक निर्देश दिए , पंजीकरण करवाना अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोहारू

लोहारू। कार्यालय में प्ले स्कूल संचालकों की बैठक लेते एसडीएम अमित कुमार।

एसडीएम अमित कुमार ने शुक्रवार खंड के सभी प्ले स्कूल संचालकों की बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल के छोटे बच्चों की सुरक्षा संबंधी मानकों पर चर्चा की और आवश्यक निर्देश दिए। एसडीएम अमित कुमार ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग पंचकूला और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली ने जारी किए। उन्होंने प्राइवेट प्ले स्कूलों को पंजीकरण कराना अनिवार्य है। बच्चों की सुरक्षा की दृष्टि से अभिभावक अपने बच्चों का दाखिला केवल पंजीकृत प्ले स्कूलों में ही करवाएं। एसडीएम ने बताया कि जिस भी प्राइवेट प्ले स्कूलों के पंजीकरण की फाइल महिला एवं बाल विकास विभाग में ऑफ लाईन जमा है, उसका पंजीकरण एनसीपीसीआर प्ले स्कूल की नई गाइड लाइन के अनुरूप जारी किया जाएगा। सभी प्ले स्कूल संचालक सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के नियमों की पालना करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी के नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि जिला के सभी प्राइवेट प्ले स्कूल जो छह वर्ष से कम आयु के बच्चों को शिक्षा प्रदान कर रहे है प्ले स्कूल संचालक पंजीकरण के लिए अपना आवेदन पत्र जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के पते पर भिजवा सकते हैं। आवेदन फार्म सरल हरियाणा पोर्टल से डाउन लोड किए जा सकते हैं। बैठक में सीडीपीओ दर्शना मालवाल, खंड शिक्षा अधिकारी विजय प्रभा सहित लोहारू ब्लॉक के प्ले स्कूल संचालक उपस्थित रहे।

स्कूलों की बस का रंग होना चाहिए पीला

एसडीएम अमित कुमार ने बताया कि स्कूलों की बस का रंग पीला होना चाहिए और उसमें नीले रंग की पट्टी में स्कूल का नाम लिखा होता है। बस के अंदर प्राथमिक उपचार बॉक्स और अग्निशमन यंत्र होना जरूरी है। इसके अलावा बस के अंदर किसी भी प्रकार की गतिविधि की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरा होना चाहिए।

स्कूल बस के ड्राइवर का मेडिकल फिटनेस होना जरूरी

उन्होंने बताया स्कूल की बस के ड्राइवर का मेडिकल फिटनेस होना जरूरी है और ड्राइवर रखे जाने वाले के लिए पांच साल का अनुभव होना चाहिए। स्कूल बस पर ड्राइवर का नाम उसका मोबाइल नंबर अंकित होना चाहिए। इसके साथ ही ड्राइवर प्रॉपर वर्दी में हो, स्कूल बस चलाते समय सीट बेल्ट अवश्य लगनी होती है। स्कूली बस की पासिंग व टैक्स भरा होना चाहिए।

गठित कमेटी प्ले स्कूलों की करेंगी जांच

आवेदनों की जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा गठित कमेटी प्ले स्कूलों की जांच करेगी। उन्होंने कहा कि प्ले स्कूल की हर वर्ष मान्यता रिन्यू करवाना भी अनिवार्य है। प्ले स्कूल अगर नियमों अनुसार नहीं चलाए जा रहे तो उन्हें बंद करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा शिक्षा बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्कूलों को भी महिला एवं बाल विकास विभाग से प्ले स्कूल चलाने के लिए मान्यता लेनी होंगी, अन्यथा वे स्कूल छह वर्ष तक के बच्चों की कक्षाएं नहीं लगा सकते हैं।

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान सप्ताह यज्ञ कल आज कलशयात्रा

भिवानी। रेलवे कॉलोनी के निवासियों के सहयोग से रेलवे कॉलोनी में 21 अप्रैल से सात श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान सप्ताह यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत 20 अप्रैल को शहर में कलश यात्रा निकाली जाएगी। नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एंपलाईज यूनियन के अध्यक्ष कृष्ण कौशिक ने बताया कि सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के उपलक्ष्य में 20 अप्रैल को निकाली जाने वाली कलश यात्रा शिव मंदिर से परिक्रमा करते हुए कथा स्थल तक पंहुचेगी। उन्होंने बताया कि पंडित बृजमोहन कौशिक कथा का वाचन करेंगे। कौशिक ने कहा कि सनातन संस्कृति के अनुसार जब भी कोई पूजा की जाती है तो कलश की स्थापना करना अनिवार्य है। कलश को शांति का संदेश वाहक माना जाता है। श्रीमद्भागवत कथा मानव जीवन का उद्धार करने वाली कथा है, जिसके श्रवण मात्र मनुष्य के एक जन्म नहीं, बल्कि हमारे कई जन्मों के पाप नष्ट हो जाते है।

युवा आंबेडकर विकास मंच व थाना प्रभारी ने बांटी पाठ्य सामग्री

तोशाम। शुक्रवार को गांव खानक के राजकीय उच्च विद्यालय में युवा आंबेडकर विकास मंच के पदाधिकारीयों तथा तोशाम थाना प्रभारी शिवकुमार ने जरूरतमंद बच्चों को पुस्तक, पैन आदि पाठ्य सामग्री वितरित की गई। इसके अलावा पिछली परीक्षाओं में जो विद्यार्थी प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे थे उन सभी विद्यार्थियों को भी पुस्तक व पैन आदि देकर सम्मानित किया गया। मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि मानव जीवन में शिक्षा से बड़ी चीज कोई नहीं है, आज के युग में यदि बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करेंगे तो समाज में अच्छे कार्य करेंगे । इस मौके पर सरपंच संजय, क्लब के प्रधान वेदप्रकाश, स्कूल के प्रिंसिपल, बीडीसी सदस्य संजय कुमार व सीताराम आदि मौजूद थे।

गीता में ज्ञान का अथाह सागर

गीता की बारीकियों से परिपूर्ण होकर संकल्प के साथ आगे बढ़ें

- वैश्य कॉलेज में सरकार के कोष से नवीनीकृत सभागार का उद्घाटन समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। कार्यक्रम का द्वीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ करते स्वामी ज्ञानानंद महाराज व अन्य। फोटो: हरिभूमि

गीता में ज्ञान का अथाह सागर है, जो हमें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है, विद्यार्थियों को चाहिए कि वह गीता की बारीकियों से परिपूर्ण होकर एक संकल्प लेकर आगे बढ़े, ये उद्गार शुक्रवार को वैश्य महाविद्यालय में डॉ.राजेन्द्र प्रसाद निधि एवं कैबिनेट मंत्री जेपी दलाल के कोष से नवीनीकृत सभागार के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यतिथि महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने अतिथियों, शिक्षाविदों के समक्ष व्यक्त किए।

समारोह का उद्घाटन पट्ट का पर्दा उठाकर, रिबन काटने के पश्चात मुख्यतिथि स्वामी ज्ञानानंद महाराज, विशिष्ट अतिथि प्रदीप मित्तल, हरियाणा रेडक्रॉस सोसायटी की वाइस चेयरमैन सुषमा गुप्ता, विधायक घनश्याम दास सर्राफ, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. वीपी यादव, वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के प्रधान एडवोकेट शिवरत्न गुप्ता, वैश्य महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता, डॉ. पवन बुवानीवाला, सुरेश गुप्ता, बृजलाल सर्राफ, विजय किशन अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. संजय गोयल, स्वर्गीय बनारसी दास गुप्त के पौत्र और पौत्र वधु प्रियांश व इशता ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख द्वीप प्रज्ज्वलित करके किया। स्वामी ज्ञानानंद ने गीता के मूलमंत्र बताते हुए उनका अनुसरण कर आगे बढ़ने की सीख दी। वशिष्ट अतिथि मित्तल ने बताया कि गीता में अत्यन्त प्रभावशाली ढंग से धार्मिक सहिष्णुता की भावना को प्रस्तुत किया है, जो भारतीय संस्कृति की विशेषता है। वैश्य महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि महान संतो का आगमन किसी भी संस्थान के लिए आशीर्वाद के समान हैं। उन्होंने कहा कि गीता जीवन जीने की कला सिखाती है। कार्यक्रम संयोजक की भूमिका डीन एकेडमिक डॉ. नरेंद्र सिंह ने निभाई। मंच संचालन डॉ. हरिकेश पंघाल ने किया। समारोह का समापन कॉलेज प्रबंधन व प्राचार्य ने स्वामी ज्ञानानन्द को स्मृति चिन्ह भेंट कर राष्ट्रगान के साथ किया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सैं.मी 10X 8 सैं.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008